

राज्य स्तरीय भू-उपयोग परिवर्तन समिति की बैठक क्रमांक 63/2007 दिनांक 21.02.07 की कार्यवाही विवरण

राज्य स्तरीय भू-उपयोग परिवर्तन समिति की 63 वीं बैठक डॉ. मनजीत सिंह, शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान, जयपुर की अध्यक्षता में दिनांक 21.02.2007 को कार्यवाही मुख्य मगर नियोजक, राजस्थान, जयपुर में सम्पन्न हुई। बैठक में मगर पालिका चित्तौड़गढ़ के प्रकरण पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में निम्न सक्त्यों एवं अन्य अधिकारीगणों ने भाग लिया :-

- 1 श्री ओएमपी ठर,
निवेशक, स्थानीय निकाय विभाग, राज०, जयपुर सचिव
- 2 श्री एम्सओपी० मङ्गनायकर,
मुख्य मगर नियोजक राजस्थान, जयपुर सचिव सचिव

उपरोक्त के अतिरिक्त बैठक में निम्न अधिकारी भी उपस्थित थे :-

- 1 श्री अरुण चावुईकी, उप नियोजक, जयपुर जिला, जयपुर।
- 2 श्रीमती इन्डिरा, उप मगर नियोजक (प्राविण), राजस्थान, जयपुर।

बैठक में प्रकरण पर निम्नानुसार निर्णय लिया गया :-

स्पेशल प्लेनज्ड गेट 2/ यूटीआर/ चित्तौड़गढ़ 163/21.02.2007

चित्तौड़गढ़ मगरिय क्षेत्र के राजस्व द्वारा चित्तौड़गढ़ के रकबा गेट 3180, रकबा 0.70 का 04666 डेक्कन भूमि का कृषि भूमि से सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक (शैक्षणिक-महाविद्यालय) प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत - आवेक बीसा डियेसन सोसायटी, जयपुर, जसिरे सचिव श्री वसीम खांम दिना श्री ठकाल खांम ।

प्रश्नगत प्रकरण को अध्यक्ष मङ्गनायकर समिति के निर्देशानुसार बैठक में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण पर विचार किया गया तथा सीट लिया कि प्रश्नगत भूमि गांधीनगर सेक्टर-5 चित्तौड़गढ़ के पूर्व दिशा में स्थित है। अधिप्राप्ति अधिकारी, मगर पालिका चित्तौड़गढ़, के अनुसार सीटों पर भूमि स्थित है एवं स्थापित है।

समिति द्वारा निम्न सक्त्यों को इच्छित रखने हुये, यथा :-

- 1 वरिष्ठ मगर नियोजक, जयपुर जिला, जयपुर द्वारा आवेक भूमि के सामने सड़क का मागीकरण 30 फिट सड़क से 30 फिट भूमि एवं आवेक भूमि के दक्षिण दिशा में दक्षिण 20 फिट सड़क को स्थूलतः 30 फिट घुड़ाने हुये आवेक भूमि का पश्चिम का विस्तारण 100' से शैक्षणिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन की अनुमति दी गई है।
- 2 अधिप्राप्ति अधिकारी, मगर पालिका, चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन की अधिप्राप्ति की गई है।
- 3 बैठक के बीच समिति द्वारा मुख्य सड़क से आवेक भूमि के सामने स्थित सड़क की चौड़ाई 60 फीट व्यापक होने के सम्बन्ध में मागीकारी मांगने पर उप मगर नियोजक, जयपुर जिला, जयपुर द्वारा समिति की अध्यापन करवा गया कि मुख्य सड़क से आवेक भूमि के सामने की गुजर रस्ती सड़क का मागीकरण 60 फीट सीटों पर उपलब्ध होगा है।

समिति द्वारा आवेक भूमि के सामने स्थित सड़क का मागीकरण 60 फीट रखने हेतु सड़क की सड़क से 30 फीट भूमि एवं दक्षिण दिशा में स्थित सड़क को हुके हुके रूप भूमि का कृषि स्थिति क्षेत्र से सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक (शैक्षणिक-महाविद्यालय) प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन के प्रस्ताव को निम्न शर्तों के साथ स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

- 1 अधिप्राप्ति अधिकारी, मगर पालिका, चित्तौड़गढ़ द्वारा मुख्य सड़क से आवेक भूमि के सामने की गुजर रस्ती सड़क को मागीकरण 60 फीट सड़क का मागीकरण 60 फीट रखने हेतु सड़क की सड़क से 30 फीट एवं दक्षिण दिशा में स्थित सड़क को स्थूलतः 30 फीट रखने हेतु सड़क की सड़क से 15 फीट भूमि आने हेतु आवेक भूमि मगर पालिका, चित्तौड़गढ़ को विस्तृत सम्पत्ति करनी होगी।
- 2 अधिप्राप्ति अधिकारी, मगर पालिका, चित्तौड़गढ़ द्वारा यह सुनिश्चित किया जाये कि उप

4. यह केवल मात्र आवेकित भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन की स्वीकृति है। उस स्वीकृति को आवेकित भूमि के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण के रूप में नहीं माना जायेगा।
5. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका, चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रस्तावित भूमि पर प्रस्तावित उपयोग से उत्पन्न होने वाले सोलिड एवं लिक्विड वेस्ट का राजस्वगत राज्य प्रनुपण नियंत्रण मण्डल द्वारा निर्धारित पैरामीटर्स अनुसार समायोजनक ढंग से किया जाता सुनिश्चित जाय।
6. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका, चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रार्थी को सामाजिक वास्तविक विकास शुल्क एवं अन्य नियमनसार 47 ग मूलक की शर्त प्रस्तुत की जायेगी।
7. शहरी विकास से सम्बन्धित विधायी जैसे सब डिविजन सार्वजनिक, विभिन्न वाईटिंग आदि को पालना नगर पालिका, चित्तौड़गढ़ द्वारा स्वयं के स्तर पर अपना सुनिश्चित किया जायेगा।

अतः मैं दृढ सात्वदात्म समापन दूँ।

अतः धार्यवादी विवरण राज्य सरकार के क्रमांक 1401/ एस्एन/यूईएच/07 दिनांक 20.03.2007 के द्वारा अनुमोदित है।

— 58 —
मुख्य नगर नियोजक एवं सचिव,
राज्य स्तरीय भू-उपयोग परिवर्तन समिति,
राजस्थान, जयपुर।

अमांक: टीपीआन : 1003 / एस्एनसी/चित्तौड़गढ़ 102/07/4981

दिनांक

प्रतिनिधि निम्न को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. सजी सचिव, भारतीय मन्त्री महोदय, नगरपालिका विकास विभाग, राजा जयपुर।
2. शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान, जयपुर।
3. निदेशक, स्वायत्त विकास विभाग, राजस्थान, जयपुर।
4. वरिष्ठ नगर नियोजक, जयपुर जोन, जयपुर।
5. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका, चित्तौड़गढ़।

26-3-07

मुख्य नगर नियोजक एवं सचिव,
राज्य स्तरीय भू-उपयोग परिवर्तन समिति,
राजस्थान, जयपुर।